MAHATMA GANDHI MISSION'S DENTAL COLLEGE & HOSPITAL
Accredited by NAAC with "A++" grade
Plot no. 1 and 2, Sector – 01 (Old 18 & 19),
Kamothe, Navi Mumbai- 410209
E-mail Id: mgmdch@mgmmumbai.ac.in

SHER-O-SHAYARI

♦ Circular

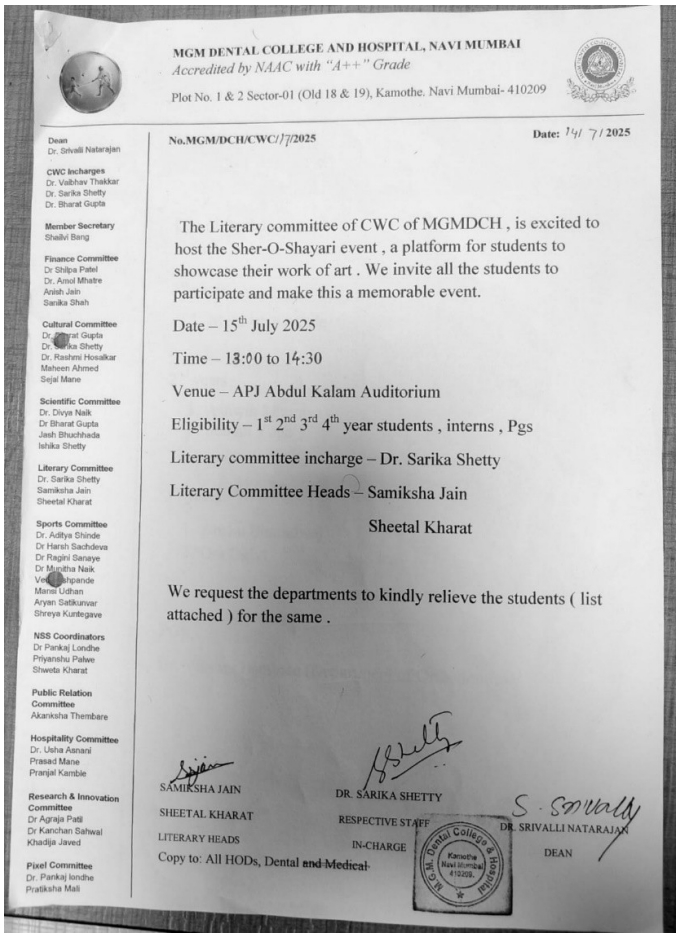

MGM DENTAL COLLEGE AND HOSPITAL, NAVI MUMBAI
Accredited by NAAC with "A++" Grade
Plot No. 1 & 2 Sector-01 (Old 18 & 19), Kamothe, Navi Mumbai- 410209

Dean
Dr. Srivalli Natarajan

CWC Incharges
Dr. Vaibhav Thakkar
Dr. Sarika Shetty
Dr. Bharat Gupta

Member Secretary
Shailvi Bang

Finance Committee
Dr Shilpa Patel
Dr. Amol Mhatre
Anish Jain
Sanika Shah

Cultural Committee
Dr. Bharat Gupta
Dr. Sarika Shetty
Dr. Rashmi Hosalkar
Maheen Ahmed
Sejal Mane

Scientific Committee
Dr. Divya Naik
Dr Bharat Gupta
Jash Bhuchhada
Ishika Shetty

Literary Committee
Dr. Sarika Shetty
Samiksha Jain
Sheetal Kharat

Sports Committee
Dr. Aditya Shinde
Dr Harsh Sachdeva
Dr Ragini Sanaye
Dr Munitha Naik
Ve[illegible]shpande
Mansi Udhan
Aryan Satikunvar
Shreya Kuntegave

NSS Coordinators
Dr Pankaj Londhe
Priyanshu Palwe
Shweta Kharat

Public Relation Committee
Akanksha Thembare

Hospitality Committee
Dr. Usha Asnani
Prasad Mane
Pranjal Kamble

Research & Innovation Committee
Dr Agraja Patil
Dr Kanchan Sahwal
Khadija Javed

Pixel Committee
Dr. Pankaj londhe
Pratiksha Mali

No.MGM/DCH/CWC/17/2025 Date: 14/ 7 / 2025

The Literary committee of CWC of MGMDCH , is excited to host the Sher-O-Shayari event , a platform for students to showcase their work of art . We invite all the students to participate and make this a memorable event.

Date – 15th July 2025

Time – 13:00 to 14:30

Venue – APJ Abdul Kalam Auditorium

Eligibility – 1st 2nd 3rd 4th year students , interns , Pgs

Literary committee incharge – Dr. Sarika Shetty

Literary Committee Heads – Samiksha Jain
Sheetal Kharat

We request the departments to kindly relieve the students (list attached) for the same .

SAMIKSHA JAIN
SHEETAL KHARAT
LITERARY HEADS

DR. SARIKA SHETTY
RESPECTIVE STAFF
IN-CHARGE

DR. SRIVALLI NATARAJAN
DEAN

Copy to: All HODs, Dental ~~and Medical~~

M.G.M. Dental College & Hospital, Kamothe, Navi Mumbai 410209.

♦ **Brochure**

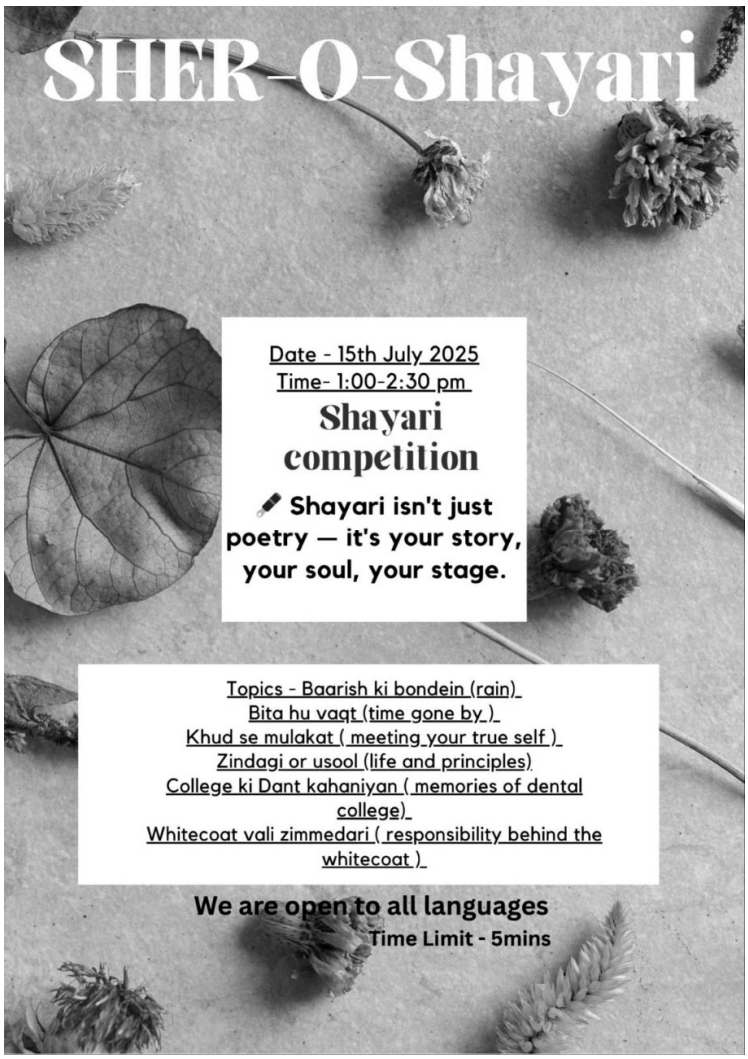
SHER-O-Shayari
Date - 15th July 2025
Time- 1:00-2:30 pm
Shayari competition
Shayari isn't just poetry — it's your story, your soul, your stage.
Topics - Baarish ki bondein (rain)
Bita hu vaqt (time gone by)
Khud se mulakat (meeting your true self)
Zindagi or usool (life and principles)
College ki Dant kahaniyan (memories of dental college)
Whitecoat vali zimmedari (responsibility behind the whitecoat)
We are open to all languages
Time Limit - 5mins

♦ Report

Event Report	Sher – O - Shayari
Venue	APJ Abdul Kalal Auditorium , MGMDCH
Date	15th July 2025
Time	13:00-14:30
Organized by	Literary Committee of CWC
Judges	Dr. Usha Asnani , Dr. Bharat Gupta & Dr. Amol Mhatre

IMPLEMENTATION:

The Literary Committee of the College Working Committee (CWC) of MGM Dental College and Hospital successfully organized an enthralling Shayari competition titled "SHER-O-Shayari" on 15th July 2025 in the APJ Abdul Kalam Auditorium.

The event was an expressive and heartfelt celebration of poetry, language, and emotions. With the tagline “Shayari isn’t just poetry — it’s your story, your soul, your stage,” the competition welcomed participants to showcase their literary creativity across a range of captivating themes:

Baarish ki bondein (Rain)

Bita hua waqt (Time gone by)

Khud se mulaqat (Meeting your true self)

Zindagi or usool (Life and principles)

College ki Dant kahaniyan (Memories of dental college)

Whitecoat vali zimmedari (Responsibility behind the whitecoat)

Participants poured their hearts out in a vibrant mix of languages, as the competition was open to all linguistic expressions. Each contestant was given a time limit of 5 minutes to present their original pieces. The auditorium echoed with applause, emotions, and reflective silences as students beautifully articulated their thoughts and experiences.

Esteemed judges Dr. Bharat Gupta and Dr. Amol Mhatre evaluated the performances with keen insight, appreciating the depth, delivery, and emotional connect of each participant’s piece. Their feedback and words of encouragement added great value to the event.

OUTCOMES: The event stood as a testament to the rich cultural and creative spirit thriving within the student community of MGMDCH. It not only encouraged self-expression but also fostered a deep sense of connection through poetry and storytelling.

CONCLUSION: The Sher -O- Shayari competition was a resounding success , making the participants engrossed in each others thoughtful insight

ACKNOWLEDGMENTS: We would like to extend our gratitude to the esteemed judges Dr. Usha Asnani , Dr. Bharat Gupta & Dr. Amol Mhatre. We are thankful to Dr. Sarika Shetty for guiding us and making this event possible. We also appreciate the enthusiasm and participation of the students, interns and staff who made this event more mesmerizing .

Contents of participants –

1) **Om Dalvi**

बूँदों में छुपा इश्क़

ये बारिश की बूँद नहीं, ये दर्पण है मोहब्बत का,
जो झलक दिखाए इश्क़ की, और प्रतिबिंब इस चाहत का।
घने मेघ जब अंबर छाएं, एहसास है तेरी राहत का,
जब गिरे धरा पर सरसर मेघा, ऐलान हो तेरी आहट का।
भीगे हुए हम, मगर पर बंजर ये दिल है सीने में,
ना रहा नशा अब मदीरे में, जो मिला तेरे अश्क़ों को पीने से।
चले बन के आवारा, हर्ष उसे सावन के मिलने से,
ख़ुश हो जाते हैं हम यूँ ही, तेरी मुस्कुराहट के खिलने से।
दोस्त मेरी वो ज़मीन, जिस पर तू हर बार फिसलती है,
तेरा हाथ थांबे, तुझे संभाला – क्योंकि वैसे ही अपनी नज़र मिलती है।
ईर्ष्या मुझे इन बूँदों से, जो तेरे गालों को यूँ चूमते हैं,
और डर मुझे तूफ़ानों का, जो तेरे-मेरे बीच में घूमते हैं।
मैं मुन्तज़िर इन राहों का, पर समझना न खुद को हीर कभी ,
प्यार करता तुझसे राँझे इतना, पर अपना मुकाम माल होगा भूल नहीं।
अधूरे इश्क़ हुए हैं काफ़ी, जो होकर नदी में बह गए,
अपना इश्क़ धनक सतरंगी –
जो फ़लक चीर, आज़ाद उड़ सके।

2) **Vikrant Lambate '**

जो आज है अभी है, कल भी यही बात रहे.....
यही उल्फत, यही मक्सद यही दिन और रात रहे....

वही बारिश वही रास्ता वही चाय और मुस्कान साध रहे...
वही नजर वही रंगीन लफ्ज सदा वही खामोशी और शोर रहे....
न हो हीरे, न हो मोती बस तू और तेरी सौगात रहे....

Pedodontics"

इथे असतो आम्ही अन् कुतूहल असणारे ते बालक सोबत त्यांच्या सज्ज 'गुगल' करून येणारे पालक
कसाबसा येतो मग आत एवढासा तो जीव किडलेले दात अन् घाबरलेल ते तोंड बघून मला येते त्याची कीव
कुणी असतात हसरे कुणी येण्याआधीच तासभर रडलेले दात कुणाला येत असतात कुणाचे असतात आधीच पडलेले
कुणी अंगठा चोखतो कुणी जातो आईमागे लपून फुटेल कधीही हा छोटा धमाका म्हणून रहाव यापासून जरा जपून
त्याच निरागस हसू निर्मळ त्याची बुद्धी तिला सांभाळता सांभाळता मग हरवून जाते शुद्धी
एवढस ते लेकरु त्याची सतराशे साठ नाटक दाखवतो एवढ्या मोठ्या डॉक्टर्सना त्याच्यासमोर पुर्ण वाकवतो
कौन्सिलिंग केली एकदाची की रडकीही शांत बसतात तरूण या डॉक्टरच ऐकून खूप निरागस ती हसता
विचार मग त्याला तो कार्टून कोणत पाहतो थोडीशी गट्टी जमल्यावर तो गप्प अगदी राहतो
शांत तो चेअर वर नाही बसत आणतो सोबतीला गाव सारा रडला मग तरीही तो मग वाजतात माझे बारा
संयम संपला की ओरडाव लागत जोरात भरपूर झाल ते प्रेम भिती भरावी लागते पोरात
आपलं 'पिडो' त्यांच्यासाठी पीडा शांत बस रे बाबा काढतोय तुझ्याच दातातनं कीडा

एवढस ते तोंड बारीक, चपळ ती जीभ'Saliva' करते मग 'सिमेंट'ची दशा क्षणभरातच ती उतरवले मग 'डॉक्टर' बनण्याची नशा
त्या राजाचे मग शेवटी चमकायला लागतात दात बसला तो शांत किती म्हणून जोडतो मी हात
'Behaviour management' करण यांच सोप्प मात्र नाही कामापेक्षा सांभाळण्यातच त्यांना निम्मा जीव जाई
कुणी आवरत त्यांच रडू तर कुणी डोक त्यांच्यासमोर आपटतात व्यवस्थित झाल सर्व की सरही पाठ आमची थोपटतात
कुणी दात काढत इथे कुणी 'फोटो' काढत बसतं इथे सगळे मात्र व्यस्त रिकाम् अस कुणी नसतं
सहकार्य त्यांनी केल्याबद्दल आहे स्टार स्टिकर देण्याची प्रथा किती लिहीणार 'पेडो'बद्दल आहे न संपणारी गाथा
रडून पडून आरडून ओरडून निघतो एकदा तो दात पेशंटही मग हसून टाटा केल्याशिवाय नाही जात
अस मग किती दिवस आनंदाने हसू ते पाहणार त्या बालमनी मग आपण 'चांगली आठवण' बनून राहणार
हे दिवस त्यांचे, तसेच अपुले येणार नाही पुन्हा परत मीही मग आनंदी जगून उद्याची फिकीर नाही करत !!

विक्रांत वसंत लांबाटे

3) Ashwin Maurya

बीता हुआ वक़्त (The Past Time)
लोग कहते हैं बीते हुए वक़्त को छोड़ दो,
उन यादों के उलझे धागों से रिश्ता तोड़ दो।
क्यों महफ़ूज़ रखे हो उन कागज़ों में सँभाल कर,

जिसकी स्याही तक मिटकर चली गई है, उन पन्नों को छोड़कर?
कैसे मिटेगी वो स्याही, कैसे छोड़कर जाएगी वो स्याही,
जो बनी हो तानों से, उस तकलीफ़ों से, उस बेबुनियाद इल्ज़ामों से,
उस सवालों से, उस दर्द भरी निगाहों से,
जो बनी है भारी बेचैनी रातों की यादों से?
कैसे मिटेगी?

लोगों ने कहा उन यादों के उलझे धागों से रिश्ते तोड़ दो।
यह कोई रेशम का धागा नहीं जिसे आसानी से तोड़ा जाए,
यह वो धागा है जो बना है सिर्फ़ दर्द भरी कीलों से,
उन काँटों से, उन टूटी हुई उम्मीदों के काँच से,
उस ख़ंजर की नोक से।
तोड़ पाओगे?
जान छूटे, पर ये धागा न टूटे,
ये बीते वक़्त का साथ न छूटे।
यह बीता हुआ वक़्त है, न कोई किताब की स्याही जिसे मिटाया जाए,
न कोई रेशम का धागा जिसे तोड़ दिया जाए।
यह वो वक़्त है जिसे लेकर, समझकर, सँभलकर,
और इससे सीखकर चला जाए, क्योंकि यह बीता हुआ वक़्त है।

4) Mohnish Krupale

White coat wali jimmedari

दर्द से जूझती जनता ×2,
भगवान हमें वो कहती हैँ
इस श्वेत कोट के एक एक धागो मे
विश्वास और भावनाओ की गंगा बहती हैँ
कद्र करो इन भावनाओं की
कद्र करो इस विश्वास की
इतनी आसानी से नहीं मिलता हैँ
दर्द मुक्त उनको देख दिल खिलता है दिल खिलता हैँ
और
आसान नहीं होता भगवान बनना
लोगो की सेवा में खुद को समर्पित करना
लोगो की सेवा में खुद को समर्पित करना
सफेद धागों में लिपटी है जिम्मेदारी
उस जिम्मेदारी को खुद को अर्पित करना

Beeta hua waqt

बीते हुए वक़्त से सीखो ×2
बेहतर वक़्त की तलाश नहीं करते ×2
बेहतरीन बनाने की कोशिश करते
क्युकी बीता वक़्त खज़ानो या किताबों मे नहीं मिलता
बिता वक़्त ही खजाना होता हैँ
बिता वक्त ही ख़िताब होता हैँ
वक़्त बीता तब समझ आया हालत क्या होते है

इस सुकून के पीछे छिपे जज़्बात क्या होते हैँ
यही सुकून यही ख़ुशी जो थी साथ, ×2
अब है गायब नहीं मिलती

Zindagi ka usool

हाथो की लकीरें कह रही हैँ
उसूलो के लकीरो पर चल
वरना जनाब
आबाद से बर्बाद होने मे देर नहीं लगेगी

5) Soham Yoga

आफ़ताब ढला बादल छाए
संग अपने भरके बौछार लाए
चुलबुली सी ठंड और हलका कोहरा
बाँधा था धरती ने बारिश की बूंदों का सेहरा

जज़्बातों का ये मौसम
थोड़ा प्यार थोड़ा ग़म
मसरूफ़ हैं काफ़ी लोग यहाँ
उलझे से हैं कई सवालों में यहां

टिप टिप सा ये बरसता पानी
कभी तन्हाई तो कभी प्यार की निशानी
गरजते हैं ये घने बादल जैसे
गरजते मुझमें कई अरमान वैसे
बहार सा जिंदगी में कोई आ जाए
आशिक़ की ये चाहत थी
बारिश की बूँदें के बीच रोना ताकी अश्क नज़र ना आये
ये उसकी फितरत थी

बूँदों के बीच नज़र आया एक चेहरा
नटखट और खूबसूरत सा
निखार दिया इन बूंदों ने उनकी जुल्फों की अदा को
हार बैठा ये दिल बेचारा बेबस सा

6) Cherry Jain

Internship – One Year, Many Lives

You know, when we entered internship, we thought we were ready —
armed with knowledge, confidence, and of course, our fresh white coats.
But what followed was... well, a journey we never quite expected.

Today, I'd like to take you all through that one unforgettable year —
not with slides or reports — but with a poem.

A poem about the chaos, the caffeine, the community camps...
and yes — even the post-end party.

So here's something straight from the intern heart…
titled: 'Internship – One Year, Many Lives.'
Poem:
Wore the white coat, walked in bold,
Thought I was ready — strong and cold.
But one step into OPD, and I was told —
"Hold the suction, clean the chair, and don't be slow."

Conservative came, the files looked wild,
I smiled outside, but inside… terrified child.
"Do it again," sir said without a blink,
And I just nodded, trying not to overthink.

Endo was pressure, appointments a mess,
Each case took hours, and zero rest.
But when pain went down and the patient smiled,
I felt like maybe… I did something right for a while.

Surgical rotation, blades and blood,
Confidence low, heart beating like a drum thud.
But held the gauze, stood by the side,
And one small suture made me beam with pride.

Prostho days — wax bites and trays,
Fixing dentures in impossible ways.
Patient stared — “Do I look too fake?”
I laughed and said, “You’ll look great in every birthday cake.”

Pedo posting? Cute but cruel,
One look at a needle and they break every rule.
Cartoons saved us, and so did sweets,
Little victories that felt like treats.

Community camps under the sun,
Mic not working, still got the job done.
Dust, crowd, chaos on display,
But one thank you made my whole day.

Lunch breaks? Not quite real.
Stipend? A myth we no longer feel.
But in the middle of stress, sweat, and fight,
There were moments that just felt right.

This one year taught more than books ever could,
How to stand tall, even when nothing felt good.
Ek chhoti si smile, ek thank you ki line,
Ban jaati thi chamak, jab life lagti thi offline.

Stipend kam tha, patience zyada,
Par doston ka support tha, toh sab kuch tha aabaad.
Aur jab aaya last day, sab kuch tha bright,
Sarees, selfies, laughter all night.

Not just an intern, not just a name,
We walk out stronger — not seeking fame.
White coat toh sabne pehna, par kahaani har kisi ki khaas hoti hai,
Internship ek journey hai… jo hamesha yaadon mein saath hoti hai.

Internship wasn’t perfect…
But it was real.
It changed how we look at patients —
and how we look at ourselves.

This white coat may get folded away one day —
but the memories stitched into it… will always stay.

7) Shailvi Bang

So just to give a brief of my writing,
I came across an Instagram post that said

“Would you like you if you meet you?”

And that stuck with me! I asked myself few questions then,
It says that

Would I like me if I met me?
If I met me…
Would I like what I see?
Would I feel proud… or quietly uneased?

Would I admire the way I make decisions—
Or would I question the reasons behind them?

Would I like how I handle criticism?
Or would I say, I take it too personal, let it linger too long?

Would I appreciate the way I speak—
The words I choose, the silence I keep?

Would I like the way I’m being…
the way I carry myself through moments, through people, through pain?

Would I respect how I took that heartbreak?
Would I smile at how I still showed up anyway?

Would I be proud of how I lived—all of it?
The doubts, the risks, the way I kept going?

Am I becoming someone I would want to meet?

And then, I never looked at these question again until yesterday night at11:00pm when I chose to ask myself the answers for these.

That heartbreak?
It taught me more about my strength than any perfect moment ever could.

Those decisions I second-guess now?
They showed I had the courage to decide when it counted.

The criticism?
It shaped me sharper, wiser—
More than praise ever would have.

And lastly the main question,
Would I like me… if I met me?
Maybe not all at once.
But piece by piece—yes.

Because as long as learning and growth are still a part of me,
As long as I carry the courage and the faith to find meaning in every situation,
I know I'm becoming someone worth meeting.

Yes.
I'd love to meet the me I'm becoming,
Because after all life makes sense backwards.

8) Shreeprasad Mahajan

हॉस्टल वाले हीरो"

हॉस्टल के कमरे में ना था एसी, ना था फ्रिज,
पर दोस्त ऐसे मिले, जो टेंशन को भी ले जाए खिंच!

रात भर चलता था "ग्रुप स्टडी" का ड्रामा,
किताबों का बैंड, पर मीम्स और गॉसिप का था हंगामा!

हॉस्टल के कमरे - 2 घंटे, 6 साल,
और एक दोस्त - जो परीक्षा के दिन भी सोता बेशुमार!

कमरे में चार यार, एक हीटर और एक 'उसका' फोटो,
जो हर रात बोलता था - "पढ़ ले बेटा, वरना शादी में बस जूता उठाना होगा मोटो!"

परीक्षा के दिन नोट्स मिलते किसी अज्ञात भैया से,
और लिखते वक्त पूछते थे - "ये विषय था क्या पाठ्यक्रम में से?"

कैंटीन की मैगी थी, जैसा माँ का प्यार,
और हॉस्टल की चाय - 3 रुपये में सुकून हज़ार!

प्रॉक्सी

कॉलेज में लेक्चर कम, निंद ज्यादा आई,
और दोस्त से प्रॉक्सी लगवा लो, तो इज्जत बच जाएगी!

9) Saket Game

Like an unexpected rain , u came into my life
Bloomed every bud it made me feel alive
In the water of the love both of us we dived
it stopped raining and I don’t know how to survive

Was it also love for u or it was just a rebound
My ears are crying as they miss hearing your sound
I saw the efforts I saw the affection
Just when I though this is it , I felt the rejection

Am I not not good enough this can’t be the reason
The flowers which blooded are dying ,life is becoming prison
Don’t u really miss it or it was for the best
Was it really necessary for u to go back with your X

Photos

GPS Map Camera
Navi Mumbai, Maharashtra, India
2483+rj7, Mgm Campus, Kamothe, Panvel, Navi Mumbai, Maharashtra 410206, India
Lat 19.017172° Long 73.104049°
15/07/2025 02:18 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
नवी मुंबई, महाराष्ट्र, India
Mgm Dental Collage And Hospital, Mgm Institute Of Health Sciences, Sion - Panvel Hwy, Sector 18, कामोठे, पनवेल, नवी मुंबई, महाराष्ट्र 410209, India
Lat 19.01717° Long 73.10379°
15/07/2025 01:53 PM GMT +05:30
Google

♦ Participants

1st year
1) Mohnish krupale

2nd year
1) Ashwin Maurya
2) Soham yoga

3rd year
1) Shreeprasad Mahajan
2) Om dalvi

4th year
1) Saket Game

Intern
1) Shailvi Bang
2) Cherry Jain

Pgs
1) Vikrant Lambate

Winners –

1) Rank 1 - Om Dalvi
2) Rank 2 - Ashwin Maurya
3) Rank 3 – Saket Game

Attendance of the participants :

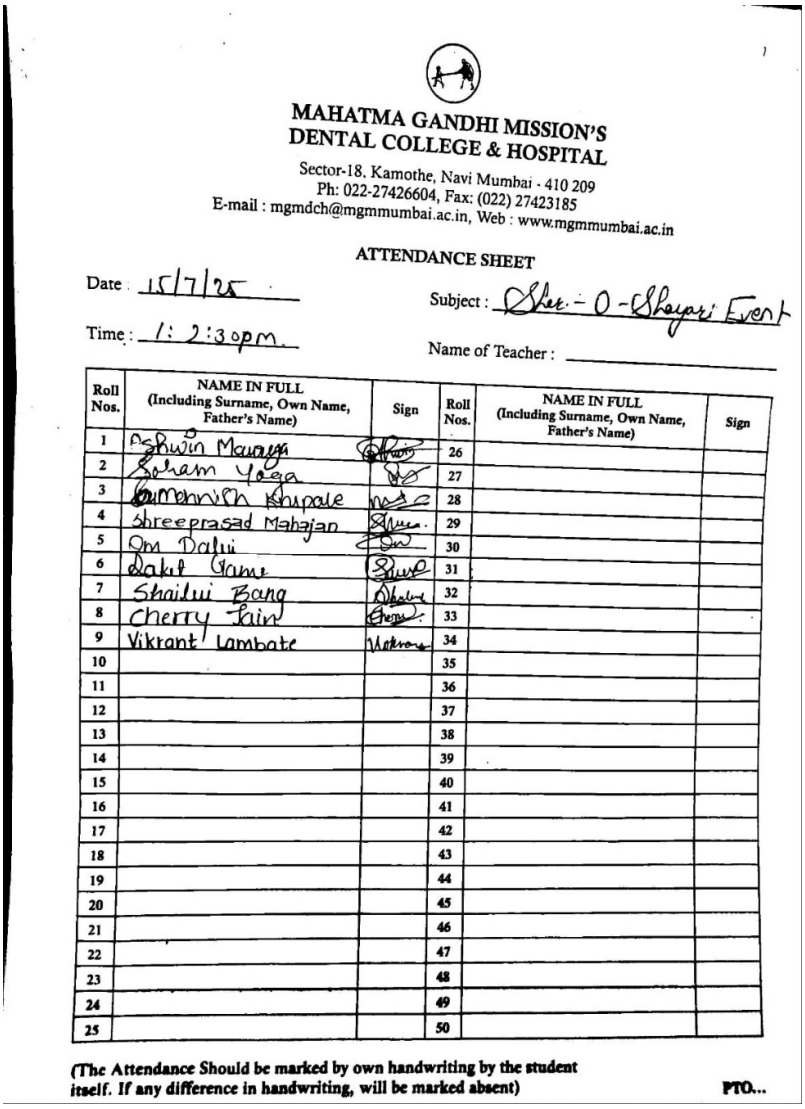

MAHATMA GANDHI MISSION'S
DENTAL COLLEGE & HOSPITAL

Sector-18, Kamothe, Navi Mumbai - 410 209
Ph: 022-27426604, Fax: (022) 27423185
E-mail : mgmdch@mgmmumbai.ac.in, Web : www.mgmmumbai.ac.in

ATTENDANCE SHEET

Date : 15/7/25

Subject : Sher - O - Shayari Event

Time : 1 : 2:30 pm.

Name of Teacher :

Roll Nos.	NAME IN FULL (Including Surname, Own Name, Father's Name)	Sign	Roll Nos.	NAME IN FULL (Including Surname, Own Name, Father's Name)	Sign
1	Ashwin Maurya	[signature]	26		
2	Soham Yoga	[signature]	27		
3	Sumannish Khupale	[signature]	28		
4	Shreeprasad Mahajan	[signature]	29		
5	Om Dalvi	[signature]	30		
6	Saket Game	[signature]	31		
7	Shailni Bang	[signature]	32		
8	Cherry Jain	[signature]	33		
9	Vikrant Lambate	[signature]	34		
10			35		
11			36		
12			37		
13			38		
14			39		
15			40		
16			41		
17			42		
18			43		
19			44		
20			45		
21			46		
22			47		
23			48		
24			49		
25			50		

(The Attendance Should be marked by own handwriting by the student itself. If any difference in handwriting, will be marked absent)

PTO...